इन गम्भीर मसलों पर, विचार करें कि यह देश कैसे चलेगा, इस देश का गरीब कैसे तरक्की करेगा, इस देश के गरीबों का कैसे उद्धार होगा । गरीबी मिटाने के नाम पर गरीबों को लाठी से मार-मार कर, आग जला - जला कर, उनके घरों को उजाड़-उजाड़ कर आज इस स्थिति में देश को ला दिया है कि शीत लहर में हजारों हजार नौजवान मर रहे हैं । मैं इसी ओर ध्यान आकर्षित करा रहा हूं ।

DEMAND FOR BUS FACnjTTES FOR STUDENTS OF DEAF AND DUMB SCHOOL

श्री ओइम् प्रकाश त्यागी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही गंभीर विषय की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं । दिल्ली नगर में एक राजकीय स्कूल है जो इस नगर के अंधे, मूक और बधिर बच्चों के लिए है । जो अन्धे और बहरे हैं उन बच्चों के स्कूल में छात्रों की संख्या 500 थी । पहले दो बसें उसमें थीं, जो घरों से बच्चों को ले जाती थीं, परन्तु वे बसें बेकार हो गई और उनको नीलाम कर दिया गया है । अब उस स्कूल में यह अवस्था हो गई कि क्लास में केवल चार चार बच्चे रह गये हैं । स्कूल लगभग बन्द है । दो वर्षों से वह बच्चे सरकारी बसों में बैठने के लिए जाते हैं और यहां की सरकारी बसों की हालत आपको पता है कि कैसे बहरे और गूंगे बच्चे, अन्धे बच्चे उन बसों में जायेंगे । बहरे बच्चे जायेंगे तो वह क्या बोलेंगे ।

श्रीमती सविता बहिन : बहरे बच्चे तो बता सकते हैं कहां जाना है ।

श्री ओइम् प्रकाश त्यागी : बहनजी, जो बहरा होता है वह गूंगा भी होता है । आप दिल्ली की रहने वाली हैं आपको पता होना चाहिए । तो मैं कहना चाहूंगा कि दिल्ली में जो सरकारी स्कूल अंधे, गूंगे और बहरे बच्चों के लिए है, जिसमें पहले सरकारी बस थी वह अब नहीं है और वह स्कूल दो साल से चलना बन्द हो रहा है । मैं ध्यान दिलाना चाहता हूं कि वहां पर सरकार बसों का इंतजाम करे ताकि वह अंधे, बहरे और गूंगे बच्चों का स्कूल चालू रह सके ।

श्रीमती सविता बहिन : मैं भी इस बात का समर्थन करती हूं कि इन बच्चों को बहुत तकलीफ हो रही है । पेरेन्ट्स की अप्लीकेशंस आ रही हैं कि किस तरह से उनको एडमिट कराया जाए और भेजा जाए । इस बात को फिर से देखना चाहिए कि उन बसों को फिर से कैसे चालू किया जाए ताकि ऐसे बच्चों को सुविधा मिल सके ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Yes, Mr. Advani, you wanted to mention something.

REFERENCE TO NOTICE OF PRIVILEGE MOTION

श्री राजनारायण : मैं विशेषाधिकार के प्रश्न पर आपसे निवेदन करना चाहता हूं । चेयरमैन साहब से मैंने बात की थी, चेयरमैन साहब ने मुझ को कहा था कि आज प्रधान मंत्री जी की तरफ से लिख कर आ जाएगा । मैं प्रधान मंत्री के विरुद्ध विशेषाधिकार की अवेहलना का प्रश्न उठाना चाहता हूं । 12 दिसम्बर, 1974 को उन्होंने कहा था कि 'नहीं पाती' । ओरियन्टल फायर जनरल इन्शोरेंस के बारे में ।

12 दिसम्बर को सदन में प्रधान मंत्री से पूरक प्रश्न के द्वारा स्पष्टीकरण चाहा था, वह यह कि क्या ओरियन्टल फायर जनरल इन्श्योरेन्स एजेंसी से संबंधित श्रीमती सोनिया गांधी को 10 हजार रुपए प्रतिमास मिलते हैं या नहीं ? मेरे पूरक प्रश्न का उत्तर डा० शंकर दयाल शर्मा ने देते हुए कहा कि किसी भी मंत्री के बेटे या रिश्तेदार को कहीं भी काम करने की स्वतंत्रता है । इस पर डा० शर्मा ने स्वीकार किया कि श्रीमती सोनिया गांधी ओरियन्टल फायर जनरल इन्श्योरेन्स कंपनी की एजेंट हैं ।

मेरा प्रश्न सीधे प्रधान मंत्री से था क्योंकि वे यहां पर बैठी हुई थीं और विषय भी उनसे